www.shriramedu.com
✆ 9414015200
श्रीराम कॉम्पिटिशन क्लासेज प्रा.लि. सीकर
An ideal institute for Competitive Exams
हैड ऑफिस: भाटी मेंशन, बजाज रोड, सीकर ✆ 01572-254777
HAND WRITTEN Classroom Coaching NOTES
Best Faculty Team + Super Coaching System + Personal care = श्रीराम कोचिंग, सीकर

विषय :- भूगोल

REET L-I & L-II

2. ग्लोबल वार्मिंग / वैश्वीकरण / ग्रीन हाउस प्रभाव / पौधा घर प्रभाव

→ पृथ्वी का औसत तापमान :- 15°C

→ पृथ्वी के वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि होना भूतापन / ग्लोबल वार्मिंग कहलाता है।

→ ग्लोबल वार्मिंग के लिए उत्तरदायी गैसें / ग्रीन हाउस गैसें

(1) CO_2 — सर्वाधिक

(2) CH_4 — मिथेन [गोबर, दलदली क्षेत्रों में, जुगाली

(3) CFC — क्लोरो फ्लोरो कार्बन [फ्रीज] — ओजोन परत के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार

(4) N_2O — नाइट्रस ऑक्साइड (ज्वालामुखी)

(5) HF_6 — हेक्सा फ्लोराइड (फ्रीज)

(6) SO_2 — सल्फर डाई ऑक्साइड [यातायात]

हानिकारक प्रभाव :- (1) ध्रुवीय क्षेत्रों की बर्फ का पिघलना।

(2) महासागरों एवं सागरों के जल स्तर में वृद्धि होना।

(3) भीषण चक्रवातों एवं सूखा की स्थिति उत्पन्न होना।

(4) जैव - विविधता का नष्ट होना।

(5) मच्छर, मक्खी आदि की संख्या में वृद्धि होना।

Note:- ग्लोबल वार्मिंग / भूतापन के बारे में सर्वप्रथम 1970 ई. में वोरस ब्रोकर नामक व्यक्ति ने उल्लेख किया था।

→ 11 Dec. 1997 को जापान के क्योटो शहर में UNO के 180 देशों का सम्मेलन आयोजित हुआ था। जिसमें विकसित तथा विकासशील देशों द्वारा 2012 तक 5.2% ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन की कटौती पर हस्ताक्षर किये गये थे।

→ इस संधि पर USA ने हस्ताक्षर नहीं किये थे।

→ सर्वाधिक ग्रीन हाउस गैसें उत्सर्जित करने वाले देश →

(1) USA → 26% [विश्व में सबसे ज्यादा]
(2) चीन → 18% [एशिया में सबसे ज्यादा]
(3) भारत → 1.70%

अम्लीय वर्षा

→ वर्तमान में तेजी से बढ़ता हुआ औद्योगिकरण तथा मोटर वाहनों के द्वारा SO_2 गैस तथा N_2O (नाइट्रस ऑक्साइड) का उत्सर्जन किया जा रहा है।

→ यह प्रदूषणकारी गैसें वायुमण्डल में जलवाष्प से क्रिया करके H_2SO_4 [सान्द्र सल्फ्यूरिक अम्ल] तथा HNO_3 [नाइट्रिक अम्ल] बनाती है।

→ जब वर्षा के साथ इन अम्लों की पृथ्वी पर वर्षा होती है तो इस प्रकार की वर्षा को अम्लीय वर्षा कहते हैं।

अम्लीय वर्षा के लिए उत्तरदायी गैसें :-

(1) SO_2 → 70%
(2) N_2O → 20%

→ भारत का सबसे प्रदूषित शहर → कानपूर
राज० " " " " → कोटा

→ सर्वप्रथम अम्लीय वर्षा 1972 में स्वीडन में हुई

→ अम्लीय वर्षा के फलस्वरूप सान्द्र सल्फ्यूरिक अम्ल [H_2SO_4] सर्वाधिक क्षति/नुकसान ताजमहल को पहुँचा रहा है।

→ सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में अम्लीय वर्षा अधिक होती है।
→ भारत के प्रमुख प्रदूषित शहर :- (1) कानपूर
(2) चैन्नई
(3) दिल्ली